>

Title: Crop damaged caused by wild animals in Sabarkantha Parliamentary constituency.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): महोदय, आपने मुझे शून्य काल के तहत मेरे संसदीय क्षेत्र साबरकांठा में जंगली जानवरों द्वारा हो रहे कृषि के नुकसान के बारे में बोलने का अवसर दिया है, आपको धन्यवाद देता हूं। मेरा संसदीय क्षेत्र साबरकांठा एक आदिवासी, दलित एवं आर्थिक पिछड़े लोगों का पिछड़ा क्षेत्र है। पूरा क्षेत्र पहाड़ी एवं जंगलों से भरा हुआ है। ज्यादातर लोग कृषि एवं पशुपालन आधारित जीवन-यापन कर रहे हैं। हमारी मुख्य एवं गंभीर समस्या यह है कि किसानों द्वारा उगाई गई फसल को रोज भुंड, नील गाय इत्यादि जंगली जानवर जंगल विस्तार से एक झुंड के रूप में आ जाते हैं और खेतों में घुसकर काफी अल्प समय में तैयार फसल को अपनी खुराक बना लेते हैं तथा बरबाद कर देते हैं। फसल बचाने हेतु किसान का परिवार दिन-रात चौबीस घंटे खेतों में बैठ कर चौकसी करते रहते हैं, लेकिन उसमें अगर थोड़ी-सी भी चूक हो जाए तो जानवर पूरी फसल को नष्ट कर देते हैं। नष्ट हुई फसल को देखकर किसान परिवार फूट-फूट कर विलाप करता है। उनकी आंखों के आंसू हमें भी पूरी तरह से हिला देते हैं।

महोदय, ऐसा पीड़ित, दुखी एवं गरीब किसान खेती छोड़ने पर मजबूर हो जाता है। बाद में रोजी-रोटी की खोज में मजदूरी के लिए परिवार के साथ शहर की ओर पलायन करता है और शहर में बदतर हालत में जीवन जीने के लिए मजबूर हो जाता है। ऐसे कई किसान बरबाद हो रहे हैं।

महोदय, किसान की आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि खुद अपने खेतों की सुरक्षा हेतु कंटीली तार की बाड़ का निर्माण कर सके। सरकारी जो मदद मिलती है वह भी समय पर एवं पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रही है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि ज्यादातर जंगली जानवर रिजर्व फारेस्ट क्षेत्र से आते हैं, तो उसे तार की बाड़ से सुरक्षित कर देना चाहिए ताकि जानवर खेतों में न घुस पाएं। माननीय वन एवं पर्यावरण मंत्री जी ने मुझे जवाबी पत्र में लिखा है कि मनरेगा के तहत चौकीदार नियुक्त करके कृषि को बचाया जाएगा, तो यह योजना कब तक बनेगी? जंगली जानवरों का शिकारियों द्वारा शिकार सरकार के द्वारा करवाना चाहिए या वन्य प्राणियों की नसबंदी कर देनी चाहिए अथवा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत वन विभाग का सहयोग ले कर खेतों के 100 एकड़ के ब्लाक बनाकर उसे ऊंची कंटीली तार की बाड़ से सुरक्षित कर देना चाहिए।

महोदय, अंत में मेरी आपके माध्यम से सरकार से दर्दभरी प्रार्थना व विनती है कि जो भी जरूरी कदम हों, उन्हें उठा कर कृषि एवं किसान परिवार को बचा लिया जाए।

MR. CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet tomorrow at 11 a.m.

20.31 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Wednesday, May 16, 2012/Vaisakha 26, 1934 (Saka).

---

* The sign + marked above the name of a Member indicates that the Question was actually asked on the floor of the House by that Member.

* Not recorded

* Not recorded

* Annual Report along with Audited Accounts were laid on 08.05.2012.

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* Not recorded

* *Expunged as ordered by the Chair*

* Expunged as ordered by the Chair

** Not recorded as ordered by the Chair.

* English translation of the speech originally delivered in Tamil

* Not recorded

* Not recorded

* English translation of the speech originally delivered in Bengali.